

ફિલ્ડમાર્શલ®
બીયારણ

फील्ड मार्शल®
बीज

Fieldmarshal®
SEEDS

ખેડૂતભાઈઓની પ્રથમ પસંદગી... किसानभाईयों की पहली पसंद... *Farmer's First Choice....*



સને ૧૯૬૩ થી ઓઈલ એન્જીન ક્ષેત્રે ખેડૂતોમાં અનન્ય વિશ્વાસ સંપાદન કર્યા બાદ સેન્દ્રીય ખાતરો અને હવે **બીયારણના ક્ષેત્રે નવું પદાર્પણ.**

સને ૧૯૬૩ સે ડીઝલ ઇંજન કે ક્ષેત્રે મેં કિસાન ભાઈયોં કા વિશ્વાસ હાંસીલ કરને કે બાદ સેન્દ્રીય સ્વાદ એવં અબ **બીજ કે ક્ષેત્રે મેં નયા પદ્દાપન કરતે હૈ I**



અમારા દ્વારા તૈયાર થયેલ પ્રમાણીત તથા સંશોધીત બીયારણોની શ્રેણી :-
'ફીલ્ડમાર્શલ' કંપની કા
તૈયાર કીયા હુઆ પ્રમાણિત એવં સંશોધીત બીજ કી શ્રંખલા:

૧.	મગફળી :	૭૭-૧૦, ૭૭-૨૦, ૭૭-૨, ૯૭-૩૭ એ.
૧	Ground Nut	જી.જી. ૨, જી.જી. ૨૦, જી.જી. ૧૦, સી.જી. ૩૭-૯૨ G.G.-10, G.G.-20, G.G.-2, T. G. 37 A
૨.	તલ :	ગુજરાત-૨ તથા ગુજરાત-૩
૨	તીલ	ગુજરાત-૨ એવં ગુજરાત-૩
2	Sesam(Till)	GUJARAT-2 AND GUJARAT-3
૩.	મગ :	ગુજરાત-૪, કી-૮૫૧
૩	મુંગ	ગુજરાત-૪, કે - ૮૫૧
3	Green Gram (MOONG)	GUJARAT-4, K-851
૪.	અડદ :	ટી-૯ તથા ગુજરાત-૧
૪	ઉડદ	ટી-૯ એવં ગુજરાત-૧
4	BlackGram (UDAD)	G. C. -9 AND GUJARAT-1
૫.	જીરું :	જી.સી.-૪
૫	જીરા	જી.સી.-૪
5	Cumins	G.C. -4
૬.	રિવેલા :	૭સીએચ-૨, ૭સીએચ-૪, ૭સીએચ-૭
૬	અરંદી	જી.સી.એચ.-૨, જી.સી.એચ.-૪, જી.સી.એચ.-૭
6	Castor (Arendal)	GCH-2, GCH-4, GCH-7
૭.	ઘઉં :	૭ડબલ્યુ-૪૯૬, લોક-૧
૭	મેંદું	જી.બલ્યુ-૪૯૬, લોકવન-૧
7	Wheat	GW-496, LOC-ONE



શ્રેષ્ઠ બીયારણો કે જેના પર ખેડૂત વિશ્વાસ મુકી શકે છે.....

શ્રેષ્ઠ બીજ જીસપે કિસાન ભયોસા કર સકે...

Best SEEDs On Which Farmer Can Trust.....

फील्डमार्शल®
बीयारहा

फील्डमार्शल®
बीज

Fieldmarshal®
SEEDS

जेडुतलाधओ माटे जेती पध्दतिना ध्यानमां लेपाना सामान्य मुद्यओ : **किसानो के लिए खेत उत्पादन में ख्याल में रखने की बातें:**

- १ वायली पहेला ज्मीननुं पृथक्करा करावो. नशुका
मार्केटीगयार्ड मां पला पृथक्करा कार्य चालु थयेल छे.
- २ वायता पहेला बीयारहाने कुगनाशक एवानो पट अवश्य
आपवो. मगइणी जेवा पाकने आ उपरांत ट्रायकोडर्मा कुगनो
कीलो दाला दीड चार ग्राम प्रमाओ पट आपवो.
- ३ प्रमाणीत बीयारहानो उपयोग करवो. संशोधीत बीयारहानो
यिश्वासपात्र स्थलेधीज लेवा.
- ४ ट्रेक पाक माटे जातरनी ललामला थयेल छे ते प्रमाओ
रासायलीक जातरो वापरवा. जाते प्रमाओ नक्की न करपुं.
- ५ ज्मीननी इणद्रुपता जणवया तथा वधु उत्पादन माटे
रासायलीक जातरनी साथे सेन्द्रीय जातरो अवश्य आपवा.
- ६ क्पासना पाकने इरेइरसनी दाली ओछी जइरीयात होई,
डी.ऐ.पी. जेवा जातरनो उपयोग घटाइवो. उला पाकमां
डी.ऐ.पी. आपपुं नहीं.
- ७ शक्य होय त्यां ओटेमेटीक वायलीयानो उपयोग करवो जेथी
ओक सरभु वापेतर थावाथी पुरतुं उत्पादन मणे छे.
- ८ जातर तरीके सुक्ष्म तत्वो जेवा के र्जिक सल्फेट, डेरस सल्फेट,
कोपर सल्फेट तथा गंधक जेवा गौलातत्वो ज्मीनमां आपवाथी
उत्पादनमां अवश्य पधारो थाय छे.
- ९ टपक पियत पध्दती अपनाववाथी पालीमां जयत थाय छे
तथा उत्पादनमां पधारो थाय छे.
- १० ट्रेक पाकमां वायता रोग तथा ज्वातनी यादी तैयार करवी
तथा पाकनुं टर ४ थी ५ टिपसे निरीक्षण करी शक्यमात्रा पटाये
एवानो छंखाव करवो.
- ११ इकल रासायलीक जंतुनाशक एवा पर आधार न राजता अन्य
उपायो जेवाके इरोमेन ट्रेप, प्रकाशपीजर, लीनोडीनुं तेल,
ट्रायकोग्रामा बुवेरीया नो उपयोग करवो.
- १२ पाक तैयार थये सुर्यना तापमां तपायी सुखी संग्रह करवो.
- १३ पाली बारदान उँधु इरी, जापटी, साइडी मेलाधीओन एवानो
छंखाव करी लरवाथी ज्वातनो उपद्रव निवारी शक्य छे.
- १) बीज बुआई के पहले जमीन की जांच जरूर करवायें। नजदीक की
कृषि मंडी में भी जमीन की जांच के लिए सुविधा उपलब्ध है।
- २) बीज बुआई के पहले बीज को जंतुनाशक दवाई की परत जरूर
लगाइयें। मुंगफली जैसे फसल में अतिरिक्त, ट्रायकोडर्मा फुगनाशक
जरूर लगाइयें। (एक किलोग्राम बीज में प्रमाण में ४ ग्राम
की मात्रा में प्रयोग करें।)
- ३) बढीया फसल के लिए प्रमाणित बीज का ही उपयोग करें।
प्रमाणित बीज भरोसेमंद दुकानदार से खरीद करें।
- ४) हर फसल के लिए खाद की मात्रा सुनिश्चित की गई है। उनके
मुताबिक ही खाद का प्रयोग करें।
- ५) उत्तम फसल के लिए और जमीन की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के
लिए रासायनिक खाद के साथ जैविक खाद अवश्य डालें।
- ६) कापूस की फसल में फॉस्फरस की बहुत कमी होनी चाहिए, जिसके
लिए डी.ए.पी. जैसे खाद का उपयोग कम उपयोग करें।
खड़ी फसल में डी.ए.पी. न डालें।
- ७) बीज की बुआई ऑटोमेटिक बुआई यंत्र से ही करें। जिससे बीज की
बुआई मात्रा सही हो और बढीया फसल मिलें।
- ८) खाद जमीन की जरुरीयात के अनुसार झींक, सल्फेट, फेरस कॉपर
सल्फेट एवं गंधक जैसे गौण चीज बारीक पाउडर जमीन में देने से
उत्पादन में अच्छी वृद्धि होती है।
- ९) टपक सिंचन पध्दती अपनाने से पानी की मात्रा कम लगती है।
एवं फसल बढीया क्रिम होती है।
- १०) हर फसल में पाई जानेवाली किटक की सुची बनाइयें और फसल की
हर चार-पांच दिन में जांच करें। जरूरत होने पर किटनाशक दवाईयो
का प्रयोग करें।
- ११) सिर्फ रसायणीक कीटनाशक ही न डालें, अन्य प्रयोग जरूर करें।
जैसे नीमका तेल, ट्रायकोग्रामा, बुवेरीया, ट्रेप और प्रकाश पीजर का
जरूर प्रयोग करें।
- १२) फसल तैयार होते ही सुरज की रोशनी में सुखाकर संग्रहित करें।
- १३) खाली बोरा उलटा करके झटक कर साफ अवश्य करें। उसके बाद
'मैलाधीऑन' दवाई का छीटकाव करके अन्य चीज (फसल) भरने
से कीटको का उपद्रव रुक सकता है।

बीयारहा मेणवपानुं यिश्वास पात्र स्थण:-

उत्पाक:
जे. चंद्रकान्त ओन्ड कुं.
आर्थिक भवन, गोंडल रोड, बोम्बे पेट्रोल पंपनी
जागुमां, राजकोट-२. फोन: ०२८१ - २२३६७३०
मोबाईल नं. : ९४२९८ ८८६६८



भरोसेमंद बीज पाने के लिए 'फील्डमार्शल' बीज ही वापरें।

Mfg. :
J. CHANDRAKANT & CO.
ARTHIK BHAVAN, NEAR BOMBAY GARAGE PETROL PUMP, GONDAL ROAD,
RAJKOT-2. PHONE : 0281 22 39 730. MOBILE NO. : 94268 88998,
Email : jesico2010@gmail.com Website : www.jesico.com,